NCERT SOLUTIONS

CLASS-8TH



aglasem.com

Class: 8th

Subject : वसंत

Chapter: 7

Chapter Name : क्या निराश हुआ जाए

Q1 लेखक ने स्वीकार किया है कि लोगों ने उन्हें भी धोखा दिया है फिर भी वह निराश नहीं हैं। आपके विचार से इस बात का क्या कारण हो सकता है?

Answer. लेखक के अनुसार बहुत कम स्थानों पर विश्वासघात नाम की चीज़ मिलती हैं। केवल उन्हीं बातों का हिसाब रखा जाये जिनमें धोखा खाया हैं, तो जीवन कष्टकारी होगा। क्योंकि ऐसी भी अनेक घटनायें हैं जब लोगों ने बिना वजह भी सहायता की हैं। लेखक के मन में अभी भी आशा की किरण हैं।

Page: 42, Block Name: आपके विचार से

Q2 समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और टेलीविज़न पर आपने ऐसी अनेक घटनाएँ देखी-सुनी होंगी जिनमें लोगों ने बिना किसी लालच के दूसरों की सहायता की हो या ईमानदारी से काम किया हो। ऐसे समाचार तथा लेख एकत्रित करें और कम-से-कम दो घटनाओं पर अपनी टिप्पणी लिखें।

Answer. छात्र अपने अनुभव के आधार पर लिखे।

Page: 42, Block Name: आपके विचार से

Q3 लेखक ने अपने जीवन की दो घटनाओं में रेलवे टिकट बाबू और बस कंडक्टर की अच्छाई और ईमानदारी की बात बताई है। आप भी अपने या अपने किसी परिचित के साथ हुई किसी घटना के बारे में बताइए जिसमें किसी ने बिना किसी स्वार्थ के भलाई, ईमानदारी और अच्छाई के कार्य किए हों।

Answer. छात्र अपने अनुभव के आधार पर लिखे।

Page: 43, Block Name: आपके विचार से

Q1 दोषों का पर्दाफ़ाश करना कब बुरा रूप ले सकता है?

Answer. लेखक के अनुसार, दोषों का पर्दाफ़ाश करना बुरी बात नहीं होती है।परन्तु, बुरा तब होता है जब हम उसकी बुराई में तो रस ले लेते हैं पर अच्छाई को भुला देते हैं। हमारा दूसरों के दोषोद्घाटन को अपना कर्त्तव्य मान लेना सही नहीं है।

Page: 43, Block Name: पर्दाफ़ाश

Q2 आजकल के बहुत से समाचार पत्र या समाचार चैनल 'दोषों का पर्दाफ़ाश' कर रहे हैं। इस प्रकार के समाचारों और कार्यक्रमों की सार्थकता पर तर्क सहित विचार लिखिए।

Answer. टीवी चैनल व समाचार पत्र द्वारा जिस प्रकार 'दोषों का पर्दाफ़ाश' किया जा रहा है वो पहले किसी सीमा तक सही हुआ करता था। परन्तु, आज टीवी चैनलों और समाचार पत्रों की भरमार के कारण उनके बीच श्रेष्ठ दिखने Book : Vasant

की होड़ ने इसे धंधा बना दिया है। इससे लोग दोनों पक्षों की सच्चाई जाने बिना ही अपनी तरफ़ से दोषारोपण आरम्भ कर देते है। और इस बात का किसी को भी ध्यान नहीं है कि इससे किसी के जीवन पर बुरा असर पड़ सकता है।

Page : 43, Block Name : पर्दाफ़ाश

Q6 निम्नलिखित के संभावित परिणाम क्या-क्या हो सकते हैं? आपस में चर्चा कीजिए, जैसे - "ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है।" परिणाम – भ्रष्टाचार बढ़ेगा।

- "सच्चाई केवल भीरू और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है।"
- ॥. "झूठ और फरेब का रोज़गार करनेवाले फल-फूल रहे हैं।".....
- ॥।. "हर आदमी दोषी अधिक दिख रहा है, गुणी कम।"

Answer.

- ।. तानाशाही बढ़ेगी
- भ्रष्टाचार बढेगा।
- III. अविश्वास बढेगा

Page: 43, Block Name: कारण बताए

Q7 आपने इस लेख में एक बस की यात्रा के बारे में पढ़ा। इससे पहले भी आप एक बस यात्रा के बारे में पढ़ चुके हैं। यदि दोनों बस-यात्राओं के लेखक आपस में मिलते तो एक-दूसरे को कौन-कौन सी बातें बताते? अपनी कल्पना से उनकी बातचीत लिखिए।

Answer. छात्र स्वयं लिखे।

Page : 43, Block Name : दो लेखक और बस यात्रा

Q1 लेखक ने लेख का शीर्षक 'क्या निराश हुआ जाए' क्यों रखा होगा? क्या आप इससे भी बेहतर शीर्षक सुझा सकते हैं?

Answer. लेखक ने इस लेख का शीर्षक 'क्या निराश हुआ जाए' उचित रखा है क्योंकि यह उस सत्य को उजागर करता है जो हम अपने आसपास घटते देखते रहते हैं। अगर हम एक-दो बार धोखा खाने पर यही सोचते रहें कि इस संसार में ईमानदार लोगों की कमी हो गयी है तो यह सही नहीं होगा। आज भी ऐसे कई लोग हैं जिन्होंने अपनी ईमानदारी को बरकरार रखा है। लेखक ने इसी आधार पर लेख का शीर्षक 'क्या निराश हुआ जाए' रखा है।

Page: 43, Block Name: सार्थक शीर्षक

Q2 यदि 'क्या निराश हुआ जाए' के बाद कोई विराम चिन्ह लगाने के लिए कहा जाए तो आप दिए गए चिह्नों में से कौन-सा चिन्ह लगाएँगे? अपने चुनाव का कारण भी बताइए। -, । . ! ? . ; - ,। Book: Vasant

"आदर्शों की बातें करना तो बहुत आसान है पर उन पर चलना बहुत कठिन है।" क्या आप इस बात से सहमत हैं? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

Answer. 'क्या निराश हुआ जाए' के बाद मैं प्रश्न चिन्ह 'क्या निराश हुआ जाए?' लगाना उचित समझता हूँ। समाज में व्याप्त बुराइयों के बीच रहते हुए भी जीवन जीने के लिए सकारात्मक दृष्टि जरूरी है। मैं यह चिन्ह इसलिए लगाना चाहूँगी कि मैं उन लोगों से प्रश्न कर सकूँ जो कहते हैं कि अब ईमानदारी और इंसानियत खत्म हो गई है। क्या उनके जीवन में कभी कोई ऐसी घटना नहीं घटी होगी जब किसी ने उनकी सहायता बिना किसी स्वार्थ के की हो?

"आदर्शों की बातें करना तो बहुत आसान है पर उन पर चलना बहुत कठिन है।" मैं इस बात से सहमत हूँ। क्योंकि व्यक्ति जब आदर्शों की राह पर चलना आसान नहीं होता। कठिनाइयों और लोगों का सामना अकेले करना होता हैं।

Page : 44, Block Name : सार्थक शीर्षक

Q1 आपके विचार से हमारे महान विद्वानों ने किस तरह के भारत के सपने देखे थे? लिखिए।

Answer. हमारे महान मनिषियों ने एक आदर्श और बुराइयों से रहित भारत की कल्पना की थी। एक ऐसा भारत जहाँ लोगों में आपसी भाईचारे तथा परोपकार की भावना सर्वोपिर हो। भारत महान ऋषि-मुनियों का देश रहा है। यहाँ के मनिषियों ने अपने त्याग से लोगों को नया जीवन दिया है।

Page: 44, Block Name: सपनों का भारत

Q2 आपके सपनों का भारत कैसा होना चाहिए? लिखिए।

Answer. हमारे सपनों का भारत हिंसा तथा बुराइयों से रहित होना चाहिए। लोगों में आपसी संबंध अच्छे होने चाहिए। लोग एक दूसरे की सहायता करने को तत्पर रहें। इस प्रकार अहिंसा के मार्ग पर चलकर ही हम अपने सपनो के भारत का निर्माण कर सकते हैं।

Page: 44, Block Name: सपनों का भारत

Q1 दो शब्दों के मिलने से समास बनता है। समास का एक प्रकार है-द्वंद्व समास। इसमें दोनों शब्द प्रधान होते हैं। जब दोनों भाग प्रधान होंगे तो एक-दूसरे में द्वंद्व (स्पर्धा, होड़) की संभावना होती है। कोई किसी से पीछे रहना नहीं चाहता, जैसे - चरम और परम = चरम-परम, भीरु और बेबस = भीरू-बेबस। दिन और रात = दिन-रात।

'और' के साथ आए शब्दों के जोड़े को 'और' हटाकर (-) योजक चिह्न भी लगाया जाता है। कभी-कभी एक साथ भी लिखा जाता है। द्वंद्व समास के बारह उदाहरण ढूँढ़कर लिखिए।

Answer.

- ।. माता और पिता = माता-पिता
- ॥. सुख और दुःख = सुख-दुःख
- III. भला और बुरा = भला-बुरा

- IV. रात और दिन = रात-दिन
- V. पाप और पुण्य = पाप-पुण्य
- VI. राजा और प्रजा = राजा-प्रजा
- VII. सीता और राम = सीता-राम
- VIII. छोटा और बड़ा = छोटा-बड़ा
 - IX. देश और विदेश = देश विदेश
 - X. अपना और पराया = अपना पराया
- XI. ऊँच और नीच = ऊँच नीच
- XII. रुपया और पैसा = रुपया पैसा

Page: 44, Block Name: भाषा की बात

Q2 पाठ से तीनों प्रकार की संज्ञाओं के उदाहरण खोजकर लिखिए।

Answer.

- · व्यक्तिवाचक संज्ञा रबींद्रनाथ टैगोर, मदनमोहन मालवीय, तिलक, महात्मा गाँधी
- · जातिवाचक संज्ञा बस, यात्री, मनुष्य, ड्राइवर, कंडक्टर, हिन्दू, पति, पत्नि
- · भाववाचक संज्ञा ईमानदारी, सच्चाई, झूठ, चोर, डकैत|

Page: 44, Block Name: भाषा की बात